चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर लगी वाहनों की कतार

अस्पताल प्रशासन की अकर्मण्यता और पार्किंग ठेकेदार की मनमानी ने खड़ी की नई समस्या

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. जिला चिकित्सालय परिसर में जिस छोटे से स्थान को वाहनों की पार्किंग के तौर पर निर्धारित किया गया है. वहां पर ज्यादा से ज्यादा आधा सैकड़ा दोपहिया वाहन ही खड़े हो सकते हैं.

पार्किंग में जगह न मिलने पर यदि वाहन को मुख्य परिसर में खड़ा कर दिया जाए तो ठेकेदार के गुर्गे 500 रु का जुर्माना वसूल लेते हैं. लिहाजा कोई रास्ता न देख मरीज के परिजनों ने अपने वाहनों को चिकित्सालय की चहरदिवारी से सटाकर खड़ा करना शुरु कर दिया है. लेकिन सड़क किनारे आबाद हो चुकी इस अवैध पार्किंग ने अस्पताल आने जाने वाले मरीजों के साथ साथ राहगीरों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है.

जिला चिकित्सालय के दोनों मुख्य द्वार से होकर गुजरने वाला यातायात इन दिनों काफी हद तक बाधित नजर आता है. जिसका सीधा असर अस्पताल रोड पर भी देखने को मिलता है. दरअसल पिछले कुछ दिनों से अस्पताल के दोनों मुख्य गेट के बाहर लगभग सैकड़ा भर से अधिक दोपहिया वाहन खड़े रहते हैं. लगभग 200 मीटर तक के क्षेत्र में सड़क किनारे वाहनों के खड़े रहने के कारण एक ओर जहां अस्पताल के मुख्य गेट का आवागमन प्रभावित होता है. वहीं दूसरी ओर अस्पताल रोड से गुजरने वाला यातायात भी बाधित होता रहता है. ऐसा भी नहीं है कि सड़क किनारे बन चुकी इस अवैध पार्किंग पर यातायात अथवा ननि अमले की नजर नहीं पड़ती. इससे पहले कई बार सड़क किनारे खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा चुकी है. लेकिन फिर समस्या के मूल को भांपते हुए कार्रवाई को अघोषित तौर पर शिथिल कर दिया गया. दरअसल चिकित्सालय परिसर में मर्चुरी की ओर जाने वाले मार्ग पर जिस स्थान को पार्किंग क्षेत्र के तौर पर निर्धारित किया गया है वहां पर बमुश्किल आधा सैकड़ा दो पहिया वाहन ही खड़े हो सकते हैं. जबकि अस्पताल में हर रोज सैकड़ों वाहन पहुंचते हैं. अब जिन वाहनों को पार्किंग क्षेत्र में जगह नहीं मिल पाती उन्हें मजबूरी में अस्पताल के मुख्य परिसर में खड़ा करना पड़ता है. लेकिन वहां पर पहले से तैयार पार्किंग ठेकेदार के गुर्गे वाहनों में चैन लगाकर प्रति वाहन 500 रु की अवैध वसूली करने लगते हैं. नतीजतन अवैध वसूली से बचने के लिए लोगों ने अस्पताल परिसर से बाहर सड़क किनारे अपने वाहनों को खड़ा करना शुरु कर दिया है.

व्यवस्था न होने तक बंद हो वसूली

अस्पताल परिसर के मुख्य द्वार से सटे क्षेत्र में एक ओर जहां आमजन को अपने वाहन खड़े करने पर 500 रु का जुर्माना देना पड़ता है . लेकिन वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज के कुछ चिकित्सकों सहित आधा सैकड़ा वीआईपी वाहन वहां पर बेरोकटोक खड़े होते हैं . रही सही कसर वहां पर अवैध तौर पर मौजूद रहने वाले 108 और जननी एक्सप्रेस जैसे वाहनों का जमावड़ा पूरी कर देता है . ऐसी स्थितियों के बीच पार्किंग ठेकेदार के सामने प्रति माह 2 .75 लाख रु आरकेएस में जमा करने की अनिवार्यता है . जाहिर है आमजन से अवैध वसूली किए बिना ठेकेदार का काम नहीं चलने वाला . इतना ही नहीं बल्कि परिसर में पार्किंग का स्थान उपलब्ध न होने के बावजूद भी नए सिरे से टेंडर जारी कर दिया गया है . यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक बार फिर से नए ठेकेदार को अवैध वसूली का लाइसेंस मिल जाएगा . लिहाजा मौजूदा व्यवस्था का तकाजा यह कहता है कि जब तक परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नही हो पाता . तब तक के लिए परिसर में वाहनों की पार्किंग को नि :शुल्क कर दिया जाना चाहिए .

सतना-मैहर के 28 निजी संस्थानों को सीएमएचओ की अंतिम चेतावनी

रिपोर्ट नहीं दी तो लाइसेंस होगा निरस्त

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. जिले में संक्रामक बीमारियों की रिपोर्टिंग में लापरवाही बरतने वाले निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी सेंटरों पर अब स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने सतना और मैहर जिले के 18 अस्पतालों, क्लीनिकों के साथ 10 पैथोलॉजी सेंटरों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अंतिम चेतावनी दी है।

सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक आईडीएसपी कार्यक्रम के तहत संक्रामक बीमारियों की दैनिक रिपोर्ट आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई। इस गंभीर लापरवाही को विभाग ने जिले की छवि पर धब्बा बताया है। सीएमएचओ कार्यालय से जारी नोटिस में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल के निर्देशों के पालन में निजी पैथोलॉजी लैबों के लैब टेक्नीशियन और रिपोर्टिंग कर्मचारियों को पहले ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साथ ही प्रतिदिन फॉर्म-एल में संक्रामक बीमारियों की जानकारी दर्ज करने के आदेश भी दिए गए थे। इसके बावजूद अप्रैल माह में संबंधित संस्थानों ने एक भी दिन रिपोर्ट नहीं भेजी। नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि पत्र मिलने के तीन कार्य दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करें और रोजाना रिपोर्टिंग शुरू करें। यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला या आदेश की अनदेखी जारी रही तो संबंधित संस्थानों का तीन दिन के लिए लाइसेंस निरस्त करने की एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

ये संस्थान हैं शामिल

इन अस्पताल और क्लीनिक्स में आरोग्यम क्लीनिक नागौद, अथर्व पाली क्लीनिक नागौद, अमृता क्लीनिक पतेरी, बाल गोपाल हास्पिटल भरहुत नगर, चित्रकूट चैरिटेबल हास्पिटल सतना, द्विवित हास्पिटल सतना, डॉ. झॉ हास्पिटल भरहुत नगर सतना, डॉ राकेश अग्रवाल चिल्ड्रेन क्लीनिक सतना, डॉ रूपेश गर्ग क्लीनिक राजेन्द्र नगर सतना, डॉ एसपी तिवारी क्लनिक सतना, खरे नर्सिंग होम सतना, लाईफ लाईन केयर पॉली क्लीनिक सतना, परामर्श कक्ष, भरहुत नगर सतना, पाठक हास्पिटल चाणक्यपुरी कालोनी सतना, प्रेम नर्सिंग होम, स्टेशन रोड सतना, संजीवन हास्पिटल सतना, श्रीजी कान्हा हास्पिटल रीवा रोड सतना, डॉ सत्येन्द्र प्रसाद क्लीनिक उचेहरा शामिल है। वहीं पैथोलॉजी में प्रेमा पैथोलॉजी मैहर, अखण्ड पैथोलॉजी मझगवां, द्विवित हास्पिटल सतना, प्रेम नर्सिंग होम, स्टेशन रोड सतना, बाजपेयी पैथोलॉजी सतना, सिटी लैब पैथोलॉजी सतना, देव पैथोलॉजी लैब सतना, शिवम डायग्नोस्टिक सतना, रेड हार्ट लैब सतना, मां शारदा पैथोलॉजी उचेहरा सम्मिलित है।

चिकित्सालय के आईसीयू का एसी सिस्टम फिर फेल

गंभीर हालत में भर्ती मरीजों की आफत में जान

नवभारत न्यूज

सतना 23 अप्रैल. जिला चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर भवन के प्रथम तल पर बनाए गए आईसीयू के दोनों वार्ड में लगी वातानुकूलन की व्यवस्था एक बार फिर से ध्वस्त होती नजर आने लगी है. यह समस्या पिछले साल भर में कई बार सिर उठा चुकी है. लेकिन हर बार मेंटिनेंस के नाम पर होने वाले लंबे चौड़े खर्च के बावजूद कोई ठोस हल सामने नहीं आ सका है.

इन दिनों जारी भीषण गर्मी में जहां सामान्य स्वास्थ्य वाला व्यक्ति भी बेचैन नजर आ रहा है. वहीं दूसरी ओर जिला चिकित्सालय के आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों की जान सांसत में है. दरअसल आईसीयू फर्स्ट और सेकेंड में स्थापित सेट्रलाइज्ड एसी सिस्टम एक बार फिर से दगा दे चुका है. जिसके चलते वहां पर भर्ती मरीजों के लिए सांस लेना तक दूभर होता जा रहा है. जबरदस्त गर्मी और चारों ओर से बंद होने के कारण आईसीयू में भर्ती मरीजों के लिए वहां का माहौल दमघोंटू साबित हो रहा है. हलांकि अस्पताल प्रबंधन द्वारा एसी की मरम्मत के लिए संबंधित कंपनी के इंजीनियर से संपर्क किया गया है. लेकिन उक्त इंजीनियर कब तक उपलब्ध होगा और उसके उपलब्ध होने के बाद एसी की मरम्मत के लिए लगने वाले कल पुर्जे मिल पाएंगे अथवा नहीं, यह आने वाले समय में मालुम हो सकेगा. पिछले वर्ष भी जबरदस्त उमस भरी गर्मी पड़ने के दौरान भी आईसीयू के एसी सिस्टम फेल हो गए थे. उस दौरान संबंधित इंजीनियर से बार बार संपर्क करने के बावजूद भी कोई हल नहीं निकल पाने पर वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए आरएमओ डॉ. शरद दुबे द्वारा खिड़कियों को खुलवाकर वहां पर बड़े कूलर रखवाए गए थे. कुछ दिनों बाद एसी की मरम्मत हो जाने पर व्यवस्था बहाल कर दी गई थी.

लंबा-चौड़ा बजट

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय के आईसीयू सहित अन्य सभी वार्डों में लगे एसी की मरम्मत का खर्च प्रति वर्ष लगभग 15 लाख रु बैठता है . लेकिन इसके बावजूद भी व्यवस्था में ठोस सुधार होता नजर नहीं आ रहा है . पिछले वर्ष आईसीयू में इसी तरह की समस्या आने पर मामला कलेक्टर डॉ . सतीष कुमार एस द्वारा संज्ञान में लिया गया था . कलेक्टर द्वारा यह निर्देश भी दिए गए थे कि अस्पताल में बड़ी क्षमता के कम से कम 2 ऐसे एसी रखे जाएं, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर शिफ्ट भी किया जा सके . लेकिन तत्कालीन सीएमएचओ डॉ . एल के तिवारी और सिविल सर्जन डॉ . मनोज शुक्ला द्वारा इस विकल्प पर विशेष तवज्जो नहीं दी गई . नतीजतन अब आईसीयू का सेट्रलाइज्ड एसी सिस्टम फेल होने पर अस्पताल प्रशासन के सामने कोई विकल्प नहीं बचा है .

खुली खदान में डूबने से बालक की मौत

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. मैहर जिले में गुरुवार को एक सीमेंट प्लांट की खुली खदान में डूबने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरगिटा गांव का निवासी रघुराज द्विवेदी खेलते समय खदान के गहरे पानी में चला गया था। यह खदान बच्चे के घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। दिनेश द्विवेदी का पुत्र रघुराज द्विवेदी एक अन्य बच्ची के साथ खदान के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते वह खदान तक और गहरे पानी में चला गया और बाहर नहीं निकल पाया। साथ मौजूद बच्ची ने तुरंत घर जाकर परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजनों ने आनन-फानन में बच्चे को रीवा रोड स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सीमेंट फैक्ट्री के मुख्य गेट पर बच्चे का शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों की मांग है कि उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए और खदान के चारों ओर सुरक्षा के लिए तारबंदी लगाई जाए।

पुलिस ने संभाला मोर्चा-सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासन ने भी मामले की जांच शुरू कर दी।

कस्तरा तालाब में करंट फैलाकर मछली पकड़ना पड़ा भारी

नाबालिग की मौत के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. मछली पकड़ने के लिए तालाब में करंट फैलाना एक व्यक्ति के लिए उस वक्त भारी पड़ गया जब करेंट की चपेट में आकर एक बालक की मौत हो गई। पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना प्रभारी ताला महेन्द्र मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल को ग्राम कस्तरा निवासी विशेषर कोल द्वारा चौकी मुकुन्दपुर में सूचना दी गई कि उसके पुत्र विकाश कोल की मृत्यु मुरजुआ नाला, अष्टभुजी माता मंदिर मुकुन्दपुर के पास करंट लगने से हो गई है।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी कमलेश कोल पिता मइका कोल, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम कस्तरा द्वारा मछली पकड़ने के उद्देश्य से अवैध रूप से विद्युत ट्रांसफार्मर से तार जोड़कर नाले के पानी में करंट प्रवाहित किया गया था। जिसके चलते विकाश कोल उक्त स्थान से गुजरते समय विद्युत तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना ताला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कमलेश कोल (उम्र 55 वर्ष), निवासी ग्राम कस्तरा को गिरफ्तार कर लिया गया।

राज्य सेवा व वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 को

नवभारत न्यूज

सतना 23 अप्रैल. मध्यप्रदेष लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेष के सभी 54 संभाग एवं जिला मुख्यालयों के 365 परीक्षा केंद्रों पर दो सत्रों में आयोजित होगी।

आयोग द्वारा जारी निर्देषों के अनुसार परीक्षा का पहला सत्र प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा ओएमआर पद्धति से ली जाएगी। इस वर्श परीक्षा को अधिक सुरक्षित एवं पारदर्षी बनाने के लिए नई त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है। परीक्षा केंद्र में प्रवेष के दौरान अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेष पत्र की स्कैनिंग तथा हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर के माध्यम से तलाषी ली जाएगी।

अभ्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश

सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप् से 90 मिनट पहले पहुंचना होगा। प्रवेष द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की सूची प्रदर्षित रहेगी, जिसका पालन करना आवष्यक होगा। दोनों सत्रों में अभ्यर्थियों की अलग-अलग जांच (प्रिस्किंग) की जाएगी। पुरुश अभ्यर्थियों की जांच पुरुश स्टाफद्वारा तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला स्टाफद्वारा की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को अपनी सुविधा अनुसार जांच करवाने का विकल्प दिया जाएगा। परीक्षार्थी केवल बष्लपेन, पारदर्षी पानी की बोतल, ई-प्रवेष पत्र एवं वैध पहचान पत्र ही साथ ला सकेंगे। परीक्षा केंद्रों पर कई वस्तुओं को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। अभ्यर्थियों को जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेष की अनुमति नहीं होगी; वे केवल चप्पल या सैंडल पहनकर ही आ सकेंगे।

प्रभारी मंत्री राधा सिंह आज मैहर आएंगी

नवभारत न्यूज

मैहर 23 अप्रैल. मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 24 अप्रैल को प्रात: 5.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगी।

निर्धारित कार्य्म के अनुसार प्रभारी मंत्री प्रात: 8 बजे जन आक्रोष महिला पदयात्रा में सहभागिता करेंगी। यह पदयात्रा घंटाघर से कटरा बाजार होते हुए सिंधी गुरूद्वारा में समाप्त होगी। इस मौके पर पत्रकारवार्ता में षामिल होने के पष्चात प्रभारी मंत्री प्रात: 11.30 बजे कार द्वारा मैहर से सिंगरौली के लिए प्रस्थान करेंगी।

एक नजर में

मानव एकता दिवस पर जागरूकता रैली

सतना. संत निरंकारी सत्संग भवन कृष्ण नगर से शाम 4-30बजे रैली निकल कर शहर के मुख्य चौराहों,मार्गो से होते हुए सिंधी कालोनी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में संपन्न हुई। एवं कल 24 अप्रैल को सुबह 9 बजे से 3 बजे तक विशाल रक्त दान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसका रक्त सरदार वल्लभभाई पटेल जिला चिकित्सालय में एकत्रित किया जाएगा। एवं मानव एकता दिवस पर विशाल सत्संग शाम 5 बजे से 7-30 बजे तक होगा। इसके साथ ही देश-विदेश की विभिन्न शाखाओं में भी श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक भाव से साकार करेंगे। इस पावन संगम के माध्यम से हर हृदय प्रेम, शांति और भाईचारे के प्रकाश से आलोकित होगा तथा मानवता की एकसूत्रता का संदेश विश्वभर में प्रसारित होगा।

स्कूल में एचपीवी वैक्सीन कार्यशाला आयोजित

सतना। संत कवर सिन्धु उच्चतर माध्यमिक स्कूल में अस्तित्व महिला सशक्तिकरण एवं संरक्षण संस्था द्वारा संयोजक मोना चोपड़ा के नेतृत्व में एवं कार्यक्रम संयोजक सुखबिंदर शर्मा के उचित संयोजन में 22 अप्रैल को प्रात: 9 .00 बजे एचपीवी वैक्सीन एवं सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कक्षा 9 वीं, 10वीं , 11वी, एवं 12 वी की छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों तथा एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

परीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग आज

सतना. राज्य सेवा व वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 की 26 अप्रैल को होने वाली परीक्षा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में शुक्रवार 24 अप्रैल को सायं 4 बजे से सायं 6 बजे तक वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से आनलाइन समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर सतना डॉ . सतीश कुमार एस ने परीक्षा से संबंधित समस्त अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेसिंग के लिए निर्धारित समय पर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। इसी प्रकार मैहर जिले में निर्धारित दो परीक्षा केन्द्रों की समीक्षा भी वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से कलेक्ट्रेट मैहर के एनआईसी कक्ष में की जायेगी। परीक्षा प्रभारी डॉ . आरती सिंह ने परीक्षा ड्यूटी से संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है।

सतना-मैहर के जल संकट पर सांसद की मंत्री संपतिया उइके से मुलाकात

मिली पाइपलाइन और पंप की स्वीकृति

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. सतना-मैहर क्षेत्र में बढ़ते जल संकट को लेकर सतना सांसद गणेश सिंह ने गुरुवार को भोपाल में लोक यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया उइके से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान सांसद ने सतना एवं मैहर जिले के क्षेत्रों में पेयजल समस्या और गर्मी के मौसम में उत्पन्न जल संकट की स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री संपतिया उइके ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए और प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए राइजिंग पाइप लाइन और सबमर्सिबल पंप की स्वीकृति प्रदान कर दी। इससे आने वाले दिनों में कई क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बरगी के संबंध में अपर मुख्य सचिव से चर्चा

इसके अलावा सांसद गणेश सिंह ने अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग राजेश राजोरा से भी मुलाकात की। इस दौरान बरगी नहर एवं पथरौड़ा (पथनड़ा) नहर परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद ने इन परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाने तथा किसानों और आमजन को जल्द लाभ दिलाने की मांग रखी।

शत्रुघ्न प्रसाद शर्मा की पुण्य स्मृति में भागवत कथा का आयोजन

नवभारत न्यूज

सतना 23 अप्रैल. स्व. शत्रुघ्न प्रसाद शर्मा की प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन 23 अप्रैल से आरंभ होकर 30 अप्रैल तक जारी रहेगा.

इसी कड़ी में गुरुवार को बड़े ही उत्साह के साथ कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा पूरी होने पर वेदी पूजन करते हुए कथा प्रारंभ की गई. श्रीमद् भागवत कथा का वाचन पं. मइयादीन शास्त्री द्वारा किया जा रहा है. भागवत कथा में श्री बदरी प्रपन्नाचार्य महाराज आचार्य आश्रम नयागांव चित्रकूट भी उपस्थित होंगे. स्व. श्री शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शिवा शर्मा, पुत्र शशिधर द्विवेदी और मनीष द्विवेदी सहित सभी परिजनों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में लोगों को अमृतमयी कथा के श्रवण से लाभांवित होने की अपील की गई है.

रक्तदान शिविर आज

सतना, 23 अप्रैल। जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्य स्पंदन से आलोकित होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है। यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वत: विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा.

अय्यप्पा मंदिर का दो दिवसीय रजत जयंती महोत्सव 28 से

नवभारत न्यूज

सतना, 23 अप्रैल. अय्यप्पा सेवा समिति द्वारा सतना स्थित अय्यप्पा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 28 एवं 29 अप्रैल को दो दिवसीय रजत जयंती महोत्सव अत्यंत भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित होगी।

समिति के अध्यक्ष के. एस. ओमनाकुट्टन नायर ने बताया कि 28 अप्रैल को गणपति होम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। सुबह 9 बजे से श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। सायं 5 बजे संत निरंकारी सत्संग भवन, कृष्णानगर से विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो सेमरिया चौक, सिंधी कैंप, दयालदास चौक और बांधवगढ़ कॉलोनी स्थित शिव मंदिर से होते हुए अय्यप्पा मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में केरल की पारंपरिक झलक के साथ विभिन्न समाजों के नागरिक शामिल होंगे। समिति के सचिव के. एल. शिवन पिल्लै ने बताया कि शोभायात्रा के मंदिर पहुंचने पर भगवान की भव्य आरती के साथ विशेष पड़ी पूजा का आयोजन होगा। यह पूजा भगवान अय्यप्पा की 18 पवित्र सीढ़ियों पर सबरीमाला परंपरा के अनुसार संपन्न होगी, जिसे भक्तों की तपस्या और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। कोषाध्यक्ष हरी प्रसाद नायर ने बताया कि इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिसमें विभिन्न समाजों के बच्चे पारंपरिक प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे के साथ होगा।